मुकुंदपुर चौक फ्लाइओवर का उद्घाटन; करदाताओं के 12 करोड़ रूपये की बचत हुई

- अब विकासपुरी से वजीराबाद का 24–किमी लंबा रास्ता सिग्नल–फ्री होगा, नोएडा को जल्द ही जोड़ा जायेगा
- फ्लाइओवर के निर्माण में 50 करोड़ रूपये का खर्च आया, जबकि इसके लिए 62 करोड़ रूपये मंजूर किये गये थे
- दिल्ली सरकार ने फ्लाइओवर के नीचे सोलर पैनल्स के साथ 9–किमी लंबा साइकल ट्रैक बनाने की बात कही है
- दिल्ली के कार्बन फुटप्रिंट में 4,975 टन की कटौती
- फ्लाइओवर फुटपाथ, हरित बेल्ट एवं साइकल ट्रैक्स के साथ 900 मीटर लंबा है

नई दिल्ली, 25 नवंबर 2016 :

दिल्लीवासियों के लिए एक अच्छी खबर है। आउटर रिंग रोड पर मुकुंदपुर चौक फ्लाइओवर का शुक्रवार को उद्घाटन कर दिया गया है। इसके शुरू होने से दिल्ली के लोगों की यात्रा में लगने वाले समय में चार मिनट की कमी आयेगी और वे अपने कार्बन फुटप्रिंट में 4,795 टन तक की कटौती कर सकते हैं। छह–लेन वाले इस फ्लाइओवर का उद्घाटन दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा किया गया। इस फ्लाइओवर को तीन वर्षों के रिकॉर्ड समय में बनाया गया है। इसके निर्माण में करदाताओं के 12 करोड़ रूपये की बचत भी हुई है।

श्री सिसोदिया ने कहा, ''यह फ्लाइओवर सिर्फ यात्रा के लिए नहीं है, बल्कि यह यातायात जाम से भी बड़ी राहत प्रदान करेगा। हम लोगों को इस प्रोजेक्ट के माध्यम से एक आसान एवं गरिमामयी जिंदगी देना चाहते थे।'' उन्होंने फ्लाइओवर के नीचे 9 किमी लंबा साइकल ट्रैक बनाने के लिए भी पीडब्लूडी अधिकारियों को प्रोत्साहित किया। इससे प्रदूषण में कमी आयेगी और यात्रा में आसानी होगी।

उन्होंने कहा, ''हम इस प्रोजेक्ट से बची राशि से इस ट्रैक पर सौर पैनल्स लगाने के लिए आवश्यक बजट मुहैया करायेंगे। इससे दोहरे उद्देश्य पूरे होंगे – एक तो साइकिल चलाने वालों को छाया मिलेगी और दूसरी ओर गलियों को रौशन करने के लिए सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जायेगा।''

इस अवसर पर पीडब्लूडी मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन, विधायक– श्री संजीव झा, श्री अजेश यादव, श्री पवन कुमार शर्मा, और श्री अखिलेश पति त्रिपाठी के अलावा पीडब्लूडी के अधिकारीगण उपस्थित थे।

पीडब्लूडी मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने कहा, ''हमें फ्लाइओवर के निर्माण को आगे बढ़ाने के लिए ट्रैफिक डाइवर्जन का निर्माण करने और बिजली के भारी तारों को हटाने में समय लगा। मैं इस प्रोजेक्ट से जुड़े सभी लोगों को बधाईयां देता हूं, जिन्होंने इस पूरा करने में कड़ी मेहनत की।''

इस फ्लाइओवर का निर्माण नवंबर 2013 में मेसर्स कॉन्टिनेंटल इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल कॉर्प इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आरंभ किया गया था। इस परियोजना के लिए 62 करोड़ रूपये मंजूर किये गये थे। आखिरकार यह प्रोजेक्ट 50 करोड़ रूपये के खर्च में बनकर तैयार हुआ है। विकासपुरी से वजीराबाद तक निर्मित 24किमी सिग्नल–फ्री कॉरिडोर में तीन एलीवेटेड स्ट्रेचेज और तीन फ्लाइओवर्स हैं। अंतिम चरण में, इस स्ट्रेच को नोएडा जाने वाले यात्रियों के लिए भी विस्तारित किया जायेगा। सभी तीनों एलीवेटेड कॉरिडोर्स शुरू किये जा चुके हैं और इनमें विकासपुरी–मीरा बाग, मंगोलपुरी–मधुबन चौक और मधुबन चौक–मकबरा चौक कॉरिडोर्स शामिल हैं। इस 900 मीटर लंबे फ्लाइओवर के लूप्स से जुड़ने के बाद 4 लेन्स हो गये हैं।

पर्यावरणीय पहलुओं को ध्यान में रखकर, पीडब्लूडी ने फ्लाइओवर के दोनों किनारों पर एक हरित बेल्ट मुहैया कराई है। इसके साथ ही यहां पैदल चलने वाले लोगों के लिए 2.5 मीटर का चौड़ा फुटपाथ और 2 मीटर चौड़ा साइकिल ट्रैक भी है। बस स्टॉप्स के पास अलग बस वेज के साथ सार्वजनिक परिवहन पर विशेष जोर दिया गया है। यह फ्लाइओवर एनएच–1 स्ट्रेच पर यातायात के लिए फायदेमंद होगा जहां अंतर–राज्यीय सार्वजनिक एवं कॉमर्शियल वाहन दौड़ते हैं।

मुकुंदपुर चौक फ्लाइओवर की मुख्य खूबियों में कॉन्क्रीट डेक स्लैब जिसे स्टील गर्डर्स का सपोर्ट दिया गया है, दो पोर्टल फ्रेम्स, जिन्हें फ्लाइओवर के मर्जिंग लूप और डेक के सपोर्ट के लिए बनाया गया है, शामिल हैं। लंबे समय तक चलने वाली स्फेरिकल बियरिंग्स जोकि स्टील गर्डर्स को सपोर्ट करती हैं, भी यहां की एक प्रमुख खूबी है।

इस क्षेत्र में औसतन प्रति दिन 1.75 लाख वाहन गुजरते हैं और मैन–ऑवर्स एवं ईंधन की बचत और कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में 4,795 टन की कमी के कारण सिग्नल–फ्री स्ट्रेच प्रति वर्ष 5 करोड़ रूपये से अधिक का योगदान करेगा। कार्बन फुटप्रिंट में कटौती 2.29 लाख पेड़ों की अवशोषण दर के बराबर है।